

बाँसवाड़ा-नाथद्वारा, राजसमंद, बाड़मेर और उदयपुर बेल्ट में खनजि खोज का व्यापक एक्सप्लोरेशन कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

22 नवंबर, 2022 को राजस्थान के माइंस, पेट्रोलियम एवं जलदाय के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि राजस्थान के बाँसवाड़ा-नाथद्वारा बेल्ट, राजसमंद बेल्ट, बाड़मेर और उदयपुर बेल्ट में राजस्थान राज्य खनजि अन्वेषण ट्रस्ट (आरएसएमईटी)के वित्तीय सहयोग से खनजि खोज का व्यापक एक्सप्लोरेशन कार्यक्रम चलाया जाएगा।

प्रमुख बद्दि

- डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि आरंभिक सर्वेक्षणों के अनुसार राज्य के बाँसवाड़ा-नाथद्वारा बेल्ट में खनजि गोलड (सोने) के भंडार संभावित हैं, वहीं राजसमंद बेल्ट में खनजि एमरलड, बाड़मेर बेल्ट में खनजि रेयर अर्थ एलमिंट्स और उदयपुर में खनजि फास्फेट के भंडार चहिनति कयि गए हैं।
- उन्होंने बताया कि इन कषेत्रों में आरएसएमईटी के सहयोग से एक्सटेंसिव एक्सप्लोरेशन कार्यक्रम चलाने का नरिणय कयि गया है, ताकि इन कषेत्रों में खनजि के भंडार की उपलब्धता, गुणवत्ता आदि का आंकलन कयि जा सके, ताकि उपलब्ध भंडारों के आधार पर ब्लॉक्स का नरिमाण कर ई नीलामी की जा सके।
- उन्होंने बताया कि राजस्थान में चरणबद्ध तरीके से खनजि एक्सप्लोरेशन कार्य को गति दी जाएगी और प्राप्त रिपोर्ट्स के अनुसार खनजि ब्लॉक्स तैयार कर नीलाम कयि जाएंगे, ताकि राजस्थान में उपलब्ध खनजि संपदा के खोज और खनन कार्य को गति दी जा सके। इससे प्रदेश में खनजि कषेत्र में अधिक निवेश, अधिक रोजगार के अवसर और अधिक राजस्व प्राप्त होने के साथ ही वैश्विक पहचान बन सकेगी।
- नदिशक माइंस संदेश नायक ने बताया कि राजस्थान में खनजि ब्लॉकों के ऑक्शन कार्य में तेज़ी आई है। पछिले दिनों मेजर मनिरल के कषेत्र में नागौर और जैसलमेर में लाईमस्टोन के दो ब्लॉकों की ई नीलामी की गई है।
- आरएसएमईटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एनपी सहि ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा राज्य में आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता में सहयोग दिया जा रहा है। इसके अलावा ड्रिलिंग कार्य में तेज़ी लाने के साथ ही प्राप्त सैपल का समय पर परीक्षण करवाने के प्रयास कयि जा रहे हैं।